

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : अप्रैल - २०२६

सत्र - १

विषय : विशेष साहित्यकार - उपन्यासकार प्रेमचंद (भाग - १) (HC - 102)

दि.: ३०/०४/२०२६

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो. १.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

-
- प्र. १ 'गोदान' की कथावस्तु की विशेषताओं को संक्षेप में विशद कीजिए।
- प्र. २ 'गोदान' उपन्यास में चित्रित चरित्रों की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ३ 'गोदान' उपन्यास में चित्रित भारतीय ग्रामों का परिवेश और कृषक समस्याओं को विवेचित कीजिए।
- प्र. ४ 'गोदान' में चित्रित नारियों की स्वाभाविक विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ५ 'गबन' उपन्यास में चित्रित मध्यवर्ग और उसकी समस्याओं का विश्लेषण कीजिए।
- प्र. ६ 'गबन' उपन्यास के कथानक को संक्षेप में लिखिए।
- प्र. ७ 'गबन' उपन्यास के चरित्रों की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ८ 'गबन' उपन्यास में अभिव्यक्त सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए।
- १) "मैं कोई गैर थोड़े ही हूँ भैया।"
 - २) देख लिया तुम्हारा न्याय और तुम्हारी अक्कल की दौड़।
 - ३) जो बात जिंदगी भर नहीं की, वह अब आखिरी वक्त नहीं कर सकता।
 - ४) तुम्हारा राज आ जाएगा, तब तो तुम गरीबों की पीसकर पी जाओगे।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
- १) 'गोदान' की धनिया
 - २) 'गोदान' में आम आदमी
 - ३) 'गबन' की जालपा
 - ४) 'गबन' में चित्रित राजनीतिक स्थिति।
-